SCO का पहला सभ्यता संवाद मंच: दिल्ली में 20-22 नवंबर

23 नवंबर 2026 अपडेट: इंद्रप्रस्थ विज्ञप्ति में सांस्कृतिक सहयोग की दिशा

पहला SCO सभ्यतागत संवाद मंच 20 से 22 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली के पुराना किला में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 नवंबर को इसका उद्घाटन किया। संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने संयुक्त रूप से आयोजन किया; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) इसका ज्ञान-साझेदार था। मंच में 22 देशों के 116 प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें चार मंत्री और SCO के महासचिव नुरलान येरमेकबायेव भी थे। भाग लेने वाले 22 देशों को SCO के 22 पूर्ण सदस्य न समझें। [1]

परिणाम: मंच से इंद्रप्रस्थ विज्ञप्ति सामने आई। इसमें प्रत्येक सभ्यता की समान गरिमा, उसकी अलग पहचान और मानवता में योगदान को स्वीकार करने पर जोर है। सांस्कृतिक विरासत का अर्थ केवल स्मारक नहीं है; इसमें पांडुलिपियाँ, साहित्य, जीवित परंपराएँ, भोजन, प्रदर्शन कलाएँ और पारंपरिक ज्ञान भी शामिल हैं। [2]

सहयोग के क्षेत्र: विज्ञप्ति में साझा सांस्कृतिक और दस्तावेजी विरासत की पहचान कर संबंधित UNESCO प्रक्रियाओं में संयुक्त नामांकन देने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण तथा सूचीकरण, अनुवाद, संयुक्त अध्ययन और संस्थागत आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने की दिशा रखी गई है। संयुक्त नामांकन का आशय आवेदन देना है, UNESCO सूची में शामिल हो जाना नहीं। [2]

तकनीक और संरक्षण: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित तकनीक के उपयोग में ऐतिहासिक सटीकता, संदर्भ और संबंधित समुदायों तथा संस्थानों के हितों का ध्यान रखने पर जोर है। अवैध सांस्कृतिक-संपत्ति तस्करी, पर्यावरणीय दबाव और प्राकृतिक आपदाओं से विरासत की रक्षा के लिए सहयोग भी इसमें शामिल है। [2]

प्रस्ताव और उपलब्धि में अंतर: डिजिटल भंडार बनाने का प्रस्ताव है, उसके शुरू हो जाने की घोषणा नहीं। भारत ने संवाद हर दो वर्ष में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है; स्थान का निर्णय संबंधित SCO शिखर सम्मेलनों में सदस्य देशों द्वारा किया जाना है। इसे पहले से तय स्थायी कैलेंडर या बाध्यकारी संधि न मानें। अच्छे तरीकों का आदान-प्रदान राष्ट्रीय प्रक्रियाओं, प्राथमिकताओं और उपलब्ध संसाधनों के अधीन रखा गया है। [2]

स्रोत

- [1] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2339975&lang=2&reg=48
- [2] https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2026/nov/doc_10558_20261122_18171201.pdf

अपडेट: 21 नवंबर 2026 - सांस्कृतिक सहयोग के अतिरिक्त प्रस्ताव

20 नवंबर को पुराना किला के उद्घाटन-संबोधन में प्रधानमंत्री ने संग्रहालयों की संयुक्त प्रदर्शनियों, विश्वविद्यालयों में विद्वान और शोधकर्ता विनिमय, सिल्क रूट तथा बौद्ध स्थलों को जोड़ते विरासत सर्किट और सांस्कृतिक पर्यटन के प्रस्ताव रखे। युवा कलाकारों, लेखकों, फिल्मकारों और स्थानीय शिल्पकारों की भागीदारी पर भी जोर दिया गया। ये सहयोग के प्रस्ताव हैं, लागू हो चुकी योजनाओं या बाध्यकारी समझौतों की घोषणा नहीं। ग्रंथों के डिजिटलीकरण और अनुवाद की बात पुराने अपडेट में पहले से है।

आधिकारिक स्रोत: मूल विज्ञप्ति

20 नवंबर शाम का अपडेट: SCO सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन

आकाशवाणी की 20 नवंबर, रात 8:11 बजे की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के पुराना किला में पहले SCO सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन किया। तीन-दिवसीय मंच 20 से 22 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने सांस्कृतिक सहयोग में डिजिटल माध्यमों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्राचीन ग्रंथों के डिजिटलीकरण और अनुवाद तथा साझा इतिहास पर संयुक्त शोध की संभावनाओं का उल्लेख किया। ये सहयोग के प्रस्ताव और संभावनाएँ हैं, पूरी हो चुकी परियोजनाओं का विवरण नहीं।

मंच का उद्देश्य क्षेत्र की साझा सभ्यतागत विरासत, लोगों के बीच संपर्क और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। सांस्कृतिक कूटनीति को सुरक्षा और आर्थिक सहयोग का पूरक समझें, अपने-आप विवादों के समाधान का प्रमाण नहीं।

आधिकारिक स्रोत



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

15 नवंबर 2026 का अपडेट: पाकिस्तान ने दिल्ली के SCO फोरम के लिए केंद्रीय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक को नामित किया

द्विपक्षीय संबंधों में ठहराव के बावजूद पाकिस्तान ने दिल्ली में **20-22 नवंबर** को होने वाले **SCO सभ्यतागत संवाद फोरम** में भाग लेने की पुष्टि की है - इसके लिए उसने अपने केंद्रीय जलवायु परिवर्तन मंत्री **डॉ. मुसादिक मसूद मलिक** को नामित किया है। यह फोरम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा **सितंबर 2025 में तियानजिन (चीन) शिखर सम्मेलन** में प्रस्तावित किया गया था और इसमें **15 देशों** ने भागीदारी की पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान **अगस्त 2027** में SCO शीर्ष-नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

खबरों में क्यों

पहला SCO सभ्यतागत संवाद मंच 20 से 22 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली के पुराना किला में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 नवंबर को इसका उद्घाटन किया। संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने संयुक्त रूप से आयोजन किया; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) इसका ज्ञान-साझेदार था। मंच में 22 देशों के 116 प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें चार मंत्री और SCO के महासचिव नुरलान येरमेकबायेव भी थे। भाग लेने वाले 22 देशों को SCO के 22 पूर्ण सदस्य न समझें। [1]

SCO क्या है

परिचय: शंघाई सहयोग संगठन 2001 में बना एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा-संगठन है। इसका मुख्यालय बीजिंग में है। इसके 10 पूर्ण सदस्य हैं – भारत, चीन, रूस, कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, पाकिस्तान, ईरान और बेलारूस। भारत 2017 में पूर्ण सदस्य बना था।

ढांचा: सदस्यों के अलावा SCO में पर्यवेक्षक (observer) और संवाद-साझेदार (dialogue partner) देश भी जुड़े होते हैं। इसलिए इस मंच के लिए सदस्यों से ज्यादा – कुल 25 देशों को न्योता गया है।

मंच की खासियत

पहला संस्करण: यह SCO की ओर से सभ्यता-संवाद पर आयोजित पहली अंतरर्राष्ट्रीय बैठक है, जिसमें सदस्य और आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि साझा सभ्यताई विरासत, संस्कृति और संपर्क पर चर्चा करेंगे।

स्थल का संकेत: पुराना किला जैसे ऐतिहासिक स्थल का चुनाव भारत की सभ्यताई विरासत को केंद्र में रखता है। भारत मेहमान प्रतिनिधियों को अपनी सभ्यता-विरासत से भी परिचित कराएगा।

पाकिस्तान का रुख: 16 नवंबर की समाचार-रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मसूद मलिक को प्रतिनिधि नामित किया है; फोरम में वास्तविक उपस्थिति और परिणाम बाद में सत्यापित होंगे।

भारत के लिए मायने

सॉफ्ट पावर: सभ्यता और संस्कृति के मंच की मेजबानी भारत को सैन्य-आर्थिक मुद्दों से आगे 'सभ्यताई राष्ट्र' के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर देती है।

कूटनीतिक संतुलन: चीन और पाकिस्तान दोनों के मौजूद मंच पर भारत अपनी पैठ बनाए हुए है। वैश्विक दक्षिण और यूरेशिया के देशों के साथ सांस्कृतिक संपर्क से द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती मिलती है।

परीक्षा की दृष्टि: SCO की संरचना, सदस्य, मुख्यालय और इस नए मंच का स्थल-तिथि प्रिलिम्स के प्रत्यक्ष तथ्य हैं, जबकि सांस्कृतिक कूटनीति (cultural diplomacy) का विषय GS-II के लिए महत्वपूर्ण है।

संबंधित लेख: भारत की बहुपक्षीय कूटनीति की एक और खबर पढ़ें: **PM मोदी का मनीला दौरा: ASEAN और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन 2026**

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका गठन 2001 में हुआ था और मुख्यालय बीजिंग में है

2. भारत 2017 में इसका पूर्ण सदस्य बना

3. ईरान और बेलारूस इसके नवीनतम पूर्ण सदस्यों में शामिल हैं

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) तीनों

(d) कोई नहीं

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

तीनों कथन सही हैं। SCO 2001 में बना, मुख्यालय बीजिंग में है। भारत 2017 में पूर्ण सदस्य बना। ईरान (2023) और बेलारूस (2024) इसके नवीनतम सदस्य हैं, जिनके साथ सदस्य संख्या 10 हुई।

pcsmantra.com

प्रश्न 2. SCO सभ्यता संवाद मंच 2026 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह मंच का पहला संस्करण है

2. इसका आयोजन नई दिल्ली के पुराना किला परिसर में हो रहा है

3. आमंत्रित सभी 25 देशों ने भागीदारी की पुष्टि कर दी है

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) तीनों

(d) कोई नहीं

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

कथन 1 और 2 सही हैं – यह पहला संस्करण है और स्थल पुराना किला, नई दिल्ली है। कथन 3 गलत है – 25 आमंत्रित देशों में से 15 ने पुष्टि की है; पाकिस्तान समेत कुछ देशों का जवाब बाकी है।

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: सांस्कृतिक कूटनीति 21वीं सदी में भारत की विदेश नीति का महत्वपूर्ण साधन बनती जा रही है। SCO सभ्यता संवाद मंच की मेजबानी के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: SCO का पहला सभ्यता संवाद मंच (20-22 नवंबर, पुराना किला) और सांस्कृतिक कूटनीति की अवधारणा का संक्षिप्त परिचय।

मुख्य भाग में: सांस्कृतिक कूटनीति के लाभ – सॉफ्ट पावर, द्विपक्षीय संपर्क, सभ्यताई राष्ट्र की छवि, वैश्विक दक्षिण से जुड़ाव। चुनौतियाँ – क्षेत्रीय तनाव (पाकिस्तान का अनिर्णित रुख), प्रतीकात्मकता बनाम ठोस परिणाम, विरासत के राजनीतिकरण का जोखिम। संतुलित मूल्यांकन सहित विश्लेषण करें।

निष्कर्ष में: ऐसे मंच दीर्घकालिक प्रभाव बनाते हैं; सफलता इसी में है कि संवाद ठोस सांस्कृतिक-शैक्षणिक सहयोग में बदले।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

मंच कब और कहाँ हुआ?

20 से 22 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली के पुराना किला में।

वास्तविक भागीदारी का आधिकारिक विवरण क्या है?

संस्कृति मंत्रालय के अनुसार 22 देशों के 116 प्रतिनिधि शामिल हुए। पुराने निमंत्रण या पुष्टि के आँकड़े अंतिम उपस्थिति नहीं हैं।

इंद्रप्रस्थ विज्ञप्ति का अर्थ क्या है?

यह सांस्कृतिक सहयोग की साझा दिशा का दस्तावेज़ है; इससे हर प्रस्ताव अपने-आप लागू परियोजना या बाध्यकारी संधि नहीं बन जाता।

स्रोत

- https://indianexpress.com/article/india/shanghai-cooperation-organisation-gajendra-shekhawat-pakistan-indus-valley-sco-delhi-10962021/
- https://www.thehindu.com/news/national/china-kazakhstan-iran-others-confirm-participation-in-sco-civilisational-forum-says-gajendra-shekhawat/article71697188.ece
- https://english.hindusthansamachar.in/Encyc/2026/11/13/SCO-Civilization-Dialogue.php
- The Tribune: पाकिस्तान SCO फोरम में भेजेगा केंद्रीय मंत्री, 15 नवंबर 2026

संबंधित विश्लेषण: SCO, सांस्कृतिक कूटनीति और द्विपक्षीय सामान्यीकरण का अंतर

इस अद्यतन के स्रोत:

- www.thehindu.com
- www.thehindu.com

pcsmantra.com